concerned about it. There is heavy burden on the common man because of the double digit inflation. It is almost 15 per cent. Unfortunately, yesterday on the television, after the English news there was a programme and in that programme a mother and a son were shown... (*Interruptons*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: The point is... (*Interruptions*)...

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): Madam, I am on a point of order... (*Interruptions*)... I am on a point of order, Madam.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: In that programme on the TV yesterday, Madam,.... (*Interruptions*)...

THE DEPUEY CHAIRMAN: I am not permitting you. Please sit down.. ... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: ..a mother comes and says that inflation has to be endured. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you and I am not allowing anybody except Mr. Som Pal... (*Interruptions*)... Mr. Das Gupta, please sit down. Nothing of what you say is going on record... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA:*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you, Mr. Das Gupta.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: But you are allowing everybody else.. ... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you to make a speech... (*Interruptions*)...

*Not recorded.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, this pragramme on the TV was in support of inflation... (*Interruptions*)... It was an apology for inflation. Can the official media be used to support inflation in the country? That is he question now... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. Yes, Mr. Som Pal.

SPECIAL MENTIONS

Political murders in Uttar Pradesh

श्री सोमपाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, उत्तर प्रदेश में राजनीतिक हत्याओं का एक नया सिलसिला शुरू हुआ है जिसकी ओर मैं सदन और केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदया, हाल ही में 8 अगस्त को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में वहां के भूतपूर्व मंत्री श्री शारदा प्रसाद रावत की कुछ व्यक्तियों ने हत्या की। पहले उनके ऊपर बम फेंका गया और बम फेंकने के बाद जब वह जमीन पर गिर पड़े तो हत्यारों ने आकर देखा कि वह मरे हैं कि नहीं और उनके ऊपर प्वाइंट ब्लैंक रेन्ज से गोलियां दागी गईं। उनके शरीर में दर्जनों गोलियां लगीं और उन्होंने घटना स्थल पर ही प्राण त्याग दिए। कहा जा रहा है कि कई दिनों से उनकी हत्या की साजिश चल रही थी और यह हत्या पूर्व नियोजित थी और राजनीतिक कारणों से की गई है। बताया जाता है कि उनके गांव में एक लाल रंग की कार नियमित रूप से प्रतिदिन आती थी और लोगों को शंका थी कि उनकी हत्या की साजिश चल रही है। इस शंका को लोगों ने पुलिस के सामने व्यक्त किया था और स्वयं श्री शारदा प्रसाद रावत ने 3 अगस्त 1991 को ज्येष्ठ पुलिस अधीक्षक, गोरखपुर को लिखा कि कुछ लोग मेरी हत्या की साजिश कर रहे हैं। उस पत्र में जिसकी प्रतिलिपि मेरे हाथ में है, उन्होंने लिखा है कि उनके राजनीतिक विरोधी

[श्री सोमपाल]

महन्त अवैद्यनाथ जिनके विरुद्ध उन्होंने लोक सभा का गत चुनाव लड़ा था, और तेजनुवां विधान सभा के लिए चुने गए श्री टी० पी० शुक्ला, दोनों ने कुछ व्यक्तियों को उनकी हत्या करने का काम सौंपा है । इसकी रिपोर्ट उन्होंने लिखत पत्र द्वारा 3 अगस्त 1991 को ज्येष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी है और इस मूल पत्र की प्रतिलिपि मेरे हाथ में है। इसके बावजूद पुलिस ने कुछ नहीं किया। इस पत्र में श्री शारदा प्रसाद रावत ने लिखा है कि उनके पास कोई लाइसेंसी असलहा नहीं है, इसलिए उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए । मगर एक मरने से अधिक समय व्यतीत होने पर भी सरकार ने और पुलिस ने उनकी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की । उल्लेखनीय बात यह है कि हत्यारे उनकी हत्या करने के उपरान्त और उसके पहले एक मंदिर में गए और हत्या करने के बाद पुनः उस मंदिर में मंदिर महन्त अवैद्यनाथ की गद्दी माना जाता है और तसल्ली से उन्होंने यह देखा कि उनकी हत्या हो गई है कि नहीं, वह मर गए हैं कि नहीं और बिना किसी अफरा तफरी के वहां से चले गए। तो निश्चित बात है कि पुलिस के साथ उनकी सांठ-गांठ थी और पुलिस को इसकी पूर्व सूचना थी । इस हत्या के संबंध में मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यह अकेली घटना नहीं है । इसके एक दो दिन बाद श्री छोटेलाल यादव जो पहले उत्तर प्रदेश के सिंचाई मंत्री थे उनको गोलिया मारी गई, उनके सिर में गोली लगी और वह इलाहबाद अस्पताल में दाखिल थे । वह फतेहपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं । आज केन्द्रीय सरकार ने सुरक्षा बल का एक हवाई जहाज उनको दिल्ली लाने के लिए भेजा है क्योंकि वहां के डाक्टरों ने जवाब दे दिया है कि उनके बस की बात नहीं है ।

आज वह दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान मे दाखिल कराये जा रहे हैं, एक बजे आ रहे हैं। इसी सिलसिले मे मैं यह भी बताना चाहता हूं कि एक अन्य राजनीतिक व्यक्ति, रिजन एम० एल० ए० श्री सोहनलाल पिप्पिल की हत्या की गई है । माननीया मैं कहना चाहता हूं कि राजनीतिक हत्याएं पूर्व-नियोजित हैं और एक विशेष दल, जनता दल के राजनीतिक नेताओं को इसका शिकार बनाया जा रहा है । मेरा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि इसकी जांच की जाए, न्यायिक जांच की जाए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो से इसकी जांच कराई जाए। इन धर्म के तथाकथित ठेकेदारों महन्त जैसे लोगों के जो ईश्वर का सीधा ठेका लेना चाहते हैं उनके पापकर्मों को, उनके कुकृत्यों को समाज के सामने लाया जाए। उनको कड़े से कड़ा दंड दिया जाए और उत्तर प्रदेश सरकार को इसके लिए लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। (**व्यवधान**)

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : कल भी यह मामला उठा था । उत्तर प्रदेश मे हमारे नेताओं के ऊपर इस तरह की जघन्य हत्याएं हो रही हैं । इसके लिए हम आपसे प्रोटेक्शन चाहते हैं कि जहां की प्रान्तीय सरकार फेल हो जाए जहां पर केन्द्रीय सरकार को इन्टरफीयर करना चाहिए । यही बात हरियाणा के अंदर हुई है । इसलिए मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि आप सरकार को इंस्ट्रक्शन दें कि जो कुछ उत्तर प्रदेश में हो रहा है उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। (**व्यवधान**) The Minister has already told in the other House. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister wants to say something. (Interruptions) You please take your seats.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : यही एक मर्डर नहीं है, तीन दिन के अंदर तीन हत्याएं हुई हैं उत्तर प्रदेश में । छोटे लाल का तो अभी इन्होंने जिक्र किया 9 सितम्बर को इटावा मे थाना मे एक समाजवादी जनता दल के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई है और तीसरी शारदा प्रसाद रावत की हत्या की गई है। इस तरह से तीन दिन मे तीन राजनीतिक

हत्याएं उत्तर प्रदेश मे हुई हैं । एक शारदा प्रसाद रावत, दूसरे छोटे लाल जिनका इन्होंने जिक्र किया कि गम्भीर रूप से इलाहाबाद मे घायल हैं और तीसरे इटावा जनपद में थाना में एक राजनीतिक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई । यह सिलसिला शुरू हुआ मुलायम सिंह यादव का जो सुरक्षा गार्ड था उसको वापस लेने से । केन्द्रीय सरकार ने कहा कि हमने वापस नहीं किया और प्रदेश सरकार कहती है हमने वापस नहीं किया । इस प्रकार से सुनियोजित ढंग से राजनीतिक हत्याएं कराई जा रही हैं । मेरा आपसे निवेदन है कि उनकी सुरक्षा का प्रबन्ध तुरन्त कराया जाए । दूसरे यह कि इन तीनों मामलों मे सी० बी० आई० से जांच कराई जाए । (*व्यवधान*)

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : जो घटना घटी है यह बहुत निन्दनीय है । मैं भी अपने को माननीय सदस्य श्री सोम पाल जी ने जो कहा है उससे सम्बद्ध करता हूं और चाहता हूं कि मिनिस्टर साहब यहां बैठे हैं इस पर बयान दें । (**व्यवधान**)

मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी (उत्तर प्रदेश) : मर्डर किया गया है.... (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please go back to your place. I say, please go back to your seat. I will not permit you to speak from another place. Without permission, don't change your seat. Please go back. This is not the way. It is very unfortunate that serious issues are lost in the noise in this House. When the Minister is willing to answer, you please let him answer. He is giving an assurance. You don't want it? You only want to make noise? All right, you do it. (*Interruptions*) I can speak louder, but he ctn'

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार) : यह सिर्फ जनता दल और बी० जे० पी० का मामला नहीं है । पिछले दिनों जितने भी जनता के चुने हुए लोग चाहे लोक सभा के हों, विधान सभा के हों या विधान परिषद के हों जो वहां उत्तर प्रदेश मे रह रहे हैं इन सब की सेक्योरिटी कल्याण सिंह ने विदड्रा कर ली है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस मुद्दे पर आकर्षित करना चाहता हूं कि मेरठ में डा० अख्तर जो एल० एल० ए० थे उन पर वहां के एस० एच० ओ० ने ब्लाइन्ड रेंज पर गोली चलाई थी और वह गोली अभी तक उनकी रीढ़ की हड्डी पर है और उसकी एस० एच ओ के खिलाफ जुडिशियल इंक्वायरी हो रही है और बी० जे पी की सरकार ने डा अख्तर की सेक्योरिटी विदड्रा कर ली है । एक तरफ तो पुलिस ने खुद उन पर गोली चलाई क्योंकि वे पुलिस के खिलाफ एक एजीटेशन को लीड कर रहे थे । उनकी रीढ़ की हड्डी पर अभी तक गोली है जिसका आपरेशन हिन्दुस्तान मे करके गोली नहीं निकाली जा सकती । दूसरी तरफ उनके सिर पर पुलिस का ताण्डव नृत्य मंडरा रहा है जिसको भाजपा की सरकार का संरक्षण प्राप्त है और वे दिन पर दिन धमका रहे हैं कि अपना केस वापस लो, नहीं तो हम तुम्हें मार डालेंगे.... (**व्यवधान**) । यह सच्चाई है । इस पर केन्द्रीय सरकार को तुरन्त कार्यवाही करनी चाहिए और जितने भी चुने हुए लोग हैं और विपक्ष के जो लोग चुनाव लडे थे उन सबकी सुरक्षा व्यवस्था करना केन्द्रीय सरकार का कर्तव्य है । अगर राज्य सरकार उनकी सुरक्षा नहीं करती है तो केन्द्रीय सरकार वहां पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था करे.... (**व्यवधान**) ।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं और इनका वक्तव्य तथ्यों से परे है । राज्य सरकार सबकी सुरक्षा कर रही है । (**व्यवधान**) । ऐसे लोगों की..... (**व्यवधान**) ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: If you don't keep quiet, I will not allow the Minister to answer. (*Interruptions*) I am moving to another... (*Interrup-*

[The Deputy Chairman]

tions) You don't have to answer if you don't want to listen to the Minister. They only want to make a noise and do not want to hear what the Government has to do.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Madam Deputy Chairman, I was listening to the points raised by the senior Members of the Janata Dal and other parties—Congress Party and other parties—on the existing situation in Uttar Pradesh about the security aspect and the dangers arising out of non-security. Madam, providing security is a State subject and Uttar Pradesh, as you know, is the largest State of India. If people in any part of the country are assassinated, it is really shameful and has to be condemned—more so when these kinds of attacks are against political workers. This is the concern of all people in our country that political workers should have protection for their political activity and normal activity. Madam, at this stage, what the Government of India can do is to get in touch immediately with the Uttar Pradesh Government and ascertain the facts. And also it is necessary to give protection to political workers. That is our well considered view. Security can be provided after assessing the security threat perceptions. When you say that a person is under threat, naturally security has to be given, irrespective of any political party or any class or creed. So I hope that the Uttar Pradesh Government will look into it. And we will certainly convey the feelings of the House to the Uttar Pradesh Government. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed. (*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL (Uttar Pradesh):*

*Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Whatever you are saying is not going on record. Please take your seat. (*Interruptions*)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): There has been a large-scale deportation of Muslims taking place in Uttar Pradesh for the last few days. I have brought one case to the notice of the Chair and I have brought one case to the notice of the public. In Etawah, Muslims have been lifted bodily and taken to the Pakistani border and thrust across. This must stop immediately. But the Home Minister is still not giving me a reply. Perhaps there are sympathisers of the BJP inside the Home Ministry. He may have to clean that Ministry. At least he must give an assurance that Muslims will not be arbitrarily deported to Pakistan in the name of being Pakistanis. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Anand Prakash Gautam.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: (West Bengal): Madam, the Uttar Pradesh Government must be brought to sense. The Government of India must prevail upon the Uttar Pradesh Government to ensure that everything is done to protect the political workers and that Muslim population do not leave Uttar Pradesh in the way comlaints are being received.

Proposed agitation on the problems of Laddakh Valley

श्री आनन्द प्रकाश गौतम (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदया, मैं अपने इस विशेष उल्लेख के माध्यम से देश के एक बहुत महत्वपूर्ण भाग, जो लद्दाख के नाम से जाना जाता है, वहां पर रहने वाले शांतिप्रिय और अहिंसा के रास्ते पर चलने वाले और बौद्ध धर्म के मानने वाले लोगों की समस्याओं की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदया, आजादी के बाद पिछले 44 वर्षों से लद्दाख का जम्मू और काश्मीर के हवाले इंतजाम है। उनकी समस्या इस प्रकार की है कि उनके